हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है : राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन

सांसद जैन ने जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जानी-मानी इतिहासवेत्ता और राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जयपुर के जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित एक होटल में जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि इतिहासवेत्ताओं ने ईमानदारी से इतिहास लिखा लेकिन उसमें कुछ छुपाया नहीं गया। न ही इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया। परंतु आजादी के बाद हमारे इतिहासवेत्ताओं को मार्क्सवादियों ने कम्युनल बताया और मूल इतिहास के सिलेबस को ही गायब कर दिया गया। देश के असली इतिहास को विपरीत इतिहास में बदल दिया गया और धीरे-धीरे दिल्ली विश्वविद्यालय जेएनयू और अलीगढ़ के सिलेबस से यह सब गायब हो गए। हमको यह समझना चाहिए कि भाई शत्रु कहां है हमारा इतिहास बिल्कुल विपरीत लिखा गया, हमें शत्रुओं का बोध होना चाहिए।

इससे पहले सांसद मीनाक्षी जैन ने दीप प्रज्वलित कर जयपुर डायलॉग समिट का शुभारंभ किया। तीन दिवसीय समिट के पहले दिन मुख्य हॉल सहित अलग-अलग जगहों पर विभिन्न विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ''ऑल रिलीजंस आर नोट सेम'' के हिंदी संस्करण (सभी धर्म समान नहीं) का विमोचन भी किया गया।

''शत्रुबोध'' थीम पर गुरूवार से शुरू हुए जयपुर डायलॉग समिट में चेयरपर्सन संजय दीक्षित व अन्य वक्ताओं ने चर्चा की।

प्रथम सत्र में ''भारत मस्ट नेम, एक्सपोज एंड कॉन्फ्रेंस इट्स सिविलाइजेशन एनीमीज'' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर, अनुपम मिश्रा, ओमकार चौधरी, अभिषेक तिवारी और बाबा रामदास ने शत्रुओं की समय रहते पहचान करने और विकास की और फैलाए जा रहे नैरेटिव पर करारा प्रहार किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिणी एशियाई देशों बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में जिओ पालिटिक्स तथा जेन जेड़ के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में भी विपक्ष की ओर से इस तरह के प्रयास किया जा रहे हैं, हमें शत्रुओं से सावधान रहना होगा। दोपहर बाद तीसरे सत्र में थिंक टैंक्स की ओर से शिक्षा के माध्यम से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों पर सांसद मीनाक्षी जैन, एस्थर धनराज, प्रोफेसर भारत गुप्त, आभास मालदहियार, नीलेश ओक और चिंतक कुंदन सिंह ने संबोधित किया। चौथे सत्र में ब्रेकिंग इंडिया फोर्सज, टुकड़े-टुकड़े गैंग, देश के आंतरिक शत्रु तथा नक्सली और इस्लामिस्ट नेटवर्क विषय पर संजय दीक्षित, नाजिया खान अभिजीत मित्रा अभिजीत चावाड़ा, पंकज सक्सेना और अविनाश धर्माधिकारी ने खुलकर देश विरोधी ताकतों और शत्रुओं का खुलासा किया।

''इन ब्यूरोक्रेसी होल्डिंग बैक मोदी एंड इंडिया'' ओपन माइक चैनल सेशन में अविनाश धर्माधिकारी, उदय माहिरकर, सेवियो रॉड्रिक्स, राहुल सूर और संजय दीक्षित ने चर्चा की।

चर्चा में भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे समाज में इस कदर व्याप्त है कि परिवार के लोग भी उसके लिए दबाव बनाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र का कैंसर है। इसके समाधान का रास्ता शिक्षा से शुरु होता है।

■ जयपुर डायलॉग समिट में पहले दिन ''शिक्षा, भ्रष्टाचार और सिविक सेंस के सवाल'' उठे

लिहाजा शैक्षिक नीति निर्माण करने वाले अधिकारियों का चरित्र भी इतना मजबूत हो, कि वे नेशन फर्स्ट की भावना को जागृत कर पाएं। वक्ताओं ने बताया कि डीबीटी की शुरुआत मोदी सरकार ने बहुत अच्छी की, लेकिन सक्षम अधिकारियों की अनदेखी के कारण आदिवासी गांव में ये योजनाएं सही मायने में नहीं पहुंच पाई।

इसी तरह आईपीएस, आईएएस आदि प्रशासनिक अधिकारियों पर फर्जी भ्रष्टाचार के मामले बढ़े हैं। यह शिक्षा और जागरुक का परिणाम है। मोदी का स्लोगन खाऊंगा न खाने दूंगा के साथ न दूंगा ना देने दूंगा, भी होना चाहिए। व्यवस्था परिवर्तन में चरित्र निर्माण से ही भ्रष्टाचार को हटा पाएंगे।

''भारत में सिविक सेंस नहीं है, न जनता में, ना जनप्रतिनिधि में।'' ओपन माइक सेशन में अभिजीत अय्यर मित्रा, सुशांत सरीन और गर्वित ने कहा कि छोटी-छोटी चीजें हैं जो हमारे जीवन को परेशानी वाला बनती है, जैसे लाल बत्ती क्रॉस करना, सड़क पर कचरा फैलाना, सार्वजनिक स्थान पर थूकना इत्यादि ऐसी चीज़े हैं, जिसे दूसरे लोग परेशान होते हैं। यह हमारी शिक्षा के दोष के कारण हुआ है।

150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

रूफ टॉप सोलर पर अब राज्य सरकार से मिलेगी 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी

जयपुर(कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

■ 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट तथा मोबाइल एप पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

'भारत में ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा अभी 1000 साल तक चल सकता है'

जयपुर। जयपुर डायलॉग के पहले दिन शुक्रवार को ''डू हिंदू इनफ्लुएंसर एक्चुअली अंडरस्टैंड सनातन (सेकुलर कथावाचक)'' सैशन हुआ। इस ओपन माइक सैशन में कार्तिक गौर, विनोद कुमार और अनुज भारद्वाज ने चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा भारत में अभी और 1000 साल तक चल सकता है।

सोशल मीडिया, फिल्म मेकर, यू ट्यूबर, इनफ्लुएंसर के माध्यम से जनमानस में पैठ बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि ये स्वयं को हिंदुइज्म बोलते हैं, जबकि वास्तव में हिंदुत्व है। यह क्रिस्टीनिज्म और इस्लामिज्म से अलग है। इनमें कथित पत्रकार और इतिहासकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ज्योतिष के जरिए हिंदुत्व को गिरा रहे हैं। सिर्फ लोकप्रिय होने के लिए ज्योतिष और इतिहास की गलत व्याख्या कर रहे हैं। जबकि आंतरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें जागना और जागना होगा। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति लोकतंत्र में हमें फायदा दे रहा है या नुकसान यह सोचना होगा।

सैशन में प्रियांक कानूनगो और हर्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि वामपंथी देशों ने सोशल मीडिया के जरिए लिव इन और पोर्न की लत लगाने का प्रयास किया है। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्वस्त किया जा सके। बालिकाओं के प्रति कम्युनल जेंडर क्राइम हो रहा है। यह तब है जबकि दूसरे देशों में 38 वर्ष के मुकाबले भारत में काम करने वालों की एवरेज आयु 29 वर्ष है। भारत में 90 करोड़ की युवा आबादी सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सामाजिकता की लडाई लड़ने के लिए स्वयं के विचारधारा को विकसित करना होगा। सोशल मीडिया के सही उपयोग के लिए स्वदेशी प्लेटफार्म विकसित करने होंगे।

सांसद तिवाड़ी ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

कांग्रेस के अधिवेशन में इनके नेताओं ने वंदे मातरम् गीत का किया था विरोध, गहलोत कैसे बता रहे है कांग्रेस विरासत : घनश्याम तिवाड़ी

सीकर/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत जी इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाड़ी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग-भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बन गया। सांसद घनश्याम तिवाड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अशोक गहलोत और कांग्रेस सच में राष्ट्रभक्ति की भावना रखते हैं, तो उन्हें इस आयोजन में शामिल होकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए था, न कि इससे दूरी बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है और वंदे मातरम् गीत के प्रति उसकी आस्था श्रद्धा और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ी है। भाजपा इस गीत को राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और प्रेरणा का प्रतीक मानती है। तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत भारत के हर नागरिक के दिल में बसता है। यह किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक है। भाजपा इस गीत के माध्यम से देशभर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती रहेगी।

■ वंदे मातरम् किसी दल की नहीं, देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक : तिवाडी

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल खराबे में कृषि अनुदान को दी स्वीकृति

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसल के नुकसान के संबंध में संवेदनशील निर्णय लिया है। जिसके तहत उन्होंने प्रभावित 6 जिलों के किसानों के लिए अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है। निर्णय के अनुसार, प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए 6 जिलों की 40 तहसील के 2 हजार 961 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से अजमेर, अलवर, झुंझुनूं, कोटा, पाली और बांसवाड़ा जिले के आठ लाख से अधिक किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में जुटा चिकित्सा विभाग

बीते 3 दिनों में 12 हजार से ज्यादा संस्थानों का निरीक्षण, मिशन मोड में दूर करेंगे कमियां : चिकित्सा मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर मजबूत एवं मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। गत 5 से 7 नवम्बर तक चलाए गए इस अभियान के तहत 12 हजार 177 निरीक्षण किए गए।

■ 98 प्रतिशत संस्थानों में ओपीडी सेवाएं बेहतर मिली, 88 प्रतिशत में नि:शुल्क दवा योजना का सुचारू संचालन : गजेन्द्र सिंह खींवसर

राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि इन निरीक्षणों के माध्यम से गांव-ढाणी तक चिकित्सा संस्थानों की गहन जांच-पड़ताल की गई है। हमारा प्रयास है कि हर संस्थान मानकों पर खरा उतरे। निरीक्षण में जो भी कमियां पाई गई हैं, उन्हें मिशन मोड में दूर किया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड की पालना सुनिश्चित किए जाने की दृष्टि से यह अभियान संचालित किया गया, जिसमें ओपीडी एवं आईपीडी में सेवाओं एवं भवन की स्थिति, मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा एवं जांच योजना, आपातकालीन कक्ष, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, स्टाफ के मानदेय, शौचालय एवं साफ-सफाई, वाडूस में बैडशीट की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं के आधार पर गहन निरीक्षण किया गया है। सभी चिकित्सा संस्थानों में इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड पूरे करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान 6500 चिकित्सा संस्थानों में आईपीएचएस नॉम्र्स के अनुसार गैप री-असेसमेंट पूरा किया गया।

राठौड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 1 मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 31 जिला अस्पताल, 109 उप जिला अस्पताल, 14 सेटेलाइट अस्पताल, 816 सीएचसी, 2622 पीएचसी और 8581 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण किया गया। राज्य स्तरीय, जोन स्तरीय, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी इन निरीक्षणों में भाग लिया। निरीक्षण के दौरान 98 प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों में ओपीडी में स्वास्थ्य सेवाएं मानकों के अनुरूप पाई गईं। इसी प्रकार 76 प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति ठीक पाई गई। साथ ही, 87 प्रतिशत संस्थानों में मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना, 88 प्रतिशत संस्थानों में मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना का संचालन बेहतर पाया गया। संस्थान के अंदर एवं बाहर ज्यादातर संस्थानों में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई है। आपातकालीन कक्षों, शौचालयों, वार्ड में बैडशीट एवं स्टाफ के मानदेय की स्थिति में सुधार की आवश्यकता व्यक्त की गई है। इस दिशा में जल्द ही सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

परिचित ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर । भांकरोटा थाना इलाके में एक परिचित झूठ बोलकर नाबालिग और उसकी सहेली को अपने साथ घुमाने ले गया और सुनसान जगह ले जबरदस्ती करने लगा। सहेली ने इसी दौरान विरोध करते हुए शोर मचा दिया। जिसके बाद बाइक सवार दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। दोनों नाबालिग ने मामले की जानकारी घर पहुंच परिजनों को दी। गुस्साए परिजनों ने थाने पहुंच आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली एक महिला ने मामला दर्ज कराया है कि 21 अक्टूबर को परिवार के सभी सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे। उसकी 15 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी। रात करीब साढ़े 10 बजे परिचित दो लड़के आए और सहेली के घर चलने का झांसा देकर बाइक पर बैठा कर ले गए।

क्रूरता : भांकरोटा में स्ट्रीट डॉग की निर्मम हत्या, मामला दर्ज

स्ट्रीट डॉग के चारों पैर रस्सी से बांधकर 20 फीट ऊंचे बिजली ट्रांसफॉर्मर पर फेंका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भांकरोटा इलाके में अज्ञात सिरफिरे ने स्ट्रीट डॉग के चारों पैर बांध कर उसे बिजली के ट्रांसफॉर्मर पर फेंक दिया। जिससे डॉग करंट की चपेट में आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने और विधुत विभाग की टीम ने विधुत आपूर्ति बंद कर डॉग के शव को नीचे उतारा और गड्ढा खोद कर उसे दफना दिया। सूचना पर डॉग का मालिक भी मौके पर पहुंच गया।

जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात सिरफिरे के खिलाफ पशु क्रुरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में स्थित जयसिंहपुरा निवासी राधेश्याम ने स्ट्रीट डॉग पाल रखा था। गुरुवार देर रात अज्ञात सिरफिरे ने स्ट्रीट डॉग के चारों पैर बांध कर 20 फीट ऊंचाई पर लगे विद्युत ट्रांसफॉर्मर पर फेंक दिया। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने ट्रांसफॉर्मर से चिंगारी निकलते हुए देखी। पास जाकर देखा तो डॉग का शव लटका हुआ दिखाई दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने इसकी जानकारी विद्युत विभाग को दी। विद्युत विभाग ने करीब 15 मिनट विद्युत आपूर्ति ठप करने के बाद डॉग के शव को नीचे उतारा।

जिसके बाद पीड़ित राधेश्याम ने डॉग के शव को दफना दिया। पुलिस ने राधेश्याम की शिकायत पर अज्ञात सिरफिरे के खिलाफ पशु क्रुरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

सप्त शक्ति कमान में वंदेमातरम् समारोह

जयपुर । राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सप्त शक्ति कमान में जयपुर, बठिंडा, हिसार, श्रीगंगानगर, बीकानेर, कोटा सहित विभिन्न सैन्य स्टेशनों और ऐतिहासिक आसफवाला युद्ध स्मारक (फाजिल्का) और नागी युद्ध स्मारक (श्रीगंगानगर) में समारोह आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ), सैनिकों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जयपुर सैन्य स्टेशन पर, दक्षिण पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ, लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वांद्रा ने सप्त शक्ति कमान लॉन में सभी रैंक के सैनिकों और अधिकारियों के साथ देशभक्ति की भावना से राष्ट्रीय गीत ''वन्दे मातरम्'' का सामूहिक गान किया।

वाहन चालकों की नेत्र जांच कर चश्में वितरित किए

जयपुर । सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रदेशभर में 18 नवम्बर तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन विभाग ने गत 4 नवंबर से अब तक 4500 से अधिक चालान काटे है। इसके साथ ही वाहन चालकों की आंखों की जांच करके उन्हें चश्में भी वितरित किए गए है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) डॉ. बी. एल. मीना ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के दूसरे दिन शुक्रवार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पहले दिन से तीन गुना तक सख्त कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने पर 999, तेज गति से वाहन चलाने पर 4 हजार 460, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 2 हजार 554, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 480, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 514 तथा बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने पर 1 हजार 725 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान 34 हजार 645 नागरिकों को यातायात नियमों एवं सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

चिकित्सा विभाग ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चलने वाले वाहन चालकों की नेत्र जांच कर 111 जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए।

■ परिवहन विभाग ने किए 4500 से अधिक चालान

डॉ. मीना ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू करने के लिए पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही, लेन ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमें तैनात रहीं और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के तहत 6 नवंबर को राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चलने वाले 461 व्यावसायिक वाहन (ट्रक व बस) चालकों की नेत्र जांच कर 111 जरूरतमंद चालकों को चश्मे वितरित किए।

परिवहन विभाग ने अभियान के तहत प्रदेश में नियमों का उल्लंघन करने पर अब तक कुल 4572 वाहनों के चालान किए हैं। विभाग ने कार्रवाई में तेजी लाते हुए 1 हजार 814 वाहनों के चालान किए। इसमें मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 115, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 36 तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 1 हजार 214 मालवाहक वाहनों के चालान किए गए। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 19, छत पर सामान रख संचालन करने पर 6 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 283 यात्री वाहनों का चालान किया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 34 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 9 वाहनों का परमिट भी कैंसिल किया तथा 87 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरूवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में धूमधाम से समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान हजारों लोग हाथों में तिरंगा झंडा थामे देशभक्ति के रंग में नजर आए। सिर पर भगवा साफे बांधे लोगों ने देशप्रेम के साथ नारे भी लगाए। फोटो-राष्ट्रदूत